एक नजर में

अमेरिका औरलेडो में फहराया वशिष्ठ ने तिरंगा

उज्जैन। इंटरनेशनल लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन एपी सिंह के नेतृत्व में इंटरनेशनल लायंस क्लब के 200 से अधिक देश से पधारे डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की शपथ विधि समारोह एवं परेड में सबसे पहले भारत का तिरंगा फहराया गया, जन गण मण एवं वंदे मातरम गाया गया। उज्जैन से डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन प्रवीण वशिष्ठ, डिस्ट्रिक्ट की प्रथम महिला रेनू वशिष्ठ एवं पूर्व गवर्नर बालवीर साहनी, पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर लाड्यिा जी ने तिरंगा फहराकर भारत का नाम गौरवांवित किया। डिस्ट्रिक्ट पी.आर.ओ. मार्केटिंग लायन दीपक राजवानी ने बताया कि समारोह में पूरे विश्व से डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के अलावा सैकड़ो की तादाद में लायंस पदाधिकारी आए हैं। सभी ने एक स्वर में भारतीय राष्ट्रीय गीत गाया एवं पूरे माहौल में वंदे मातरम गूंज गया। जिससे विश्व का शहंशाह अमेरिका जैसे देश में भारत का राष्ट्रीय गीत ऐसे गुंजा जैसे भारत पुन: विश्व गुरु बन गया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन प्रवीण वशिष्ठ जो कि डिस्ट्रिक्ट 3233 जी 2 का नेतृत्व कर रहे हैं उन्होंने बताया कि मेरे जीवन में पहली बार ऐसा मौका आया है कि भारत के राष्ट्रीय गीत की गूंज पूरे विश्व में गूंज रही है। डिस्ट्रिक्ट के सेक्रेटरी लायन सुशील पोरवाल, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन भगवान दास एरन, लायन आरजी पाठक, लायन अजय गुप्ता आदि पदाधिकारी ने हर्ष व्यक्त किया है।

बिना कट और टांके के बच्चेदानी का ऑपरेशन

उज्जैन। मरीज की बच्चेदानी का जटिल ऑपरेशन बिना किसी चीरे और टांके के सफलतापूर्वक पूरा किया गया। मरीज को पहले 6 बार सिजेरियन हो चुका था, फिर भी यह सर्जरी की गई जो अपने आप में एक असंभव जैसी उपलब्धि थी यह एक नेशनल रिकॉर्ड बन सकता है मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ है और सामान्य जीवन जी रही हैं। 15 वर्षों के अनुभव में यह पहली बार है जब इतने जटिल केस में एमआईवीएच संभव हुआ। यह न केवल मेरे करियर बल्कि पूरे मेडिकल क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर है। यह उपलब्धि शहर और मध्यप्रदेश के लिए गर्व की बात है। डॉ. सोनल पलोड़ सर्वोत्तम हास्पिटल

राज्य स्तरीय रेफरशिप जज प्रशिक्षण

उज्जैन। परंपरागत मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय लाठी खेल संघ के द्वारा राज्य स्तरीय रेफरशिप जज प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण देने वाले परंपरागत लाठी खेल संघ मध्य प्रदेश सचिव प्रमोद विश्वकर्मा के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में राष्ट्रीय परंपरागत लाठी खेल संघ के उपाध्यक्ष अरविंद जोशी और विशाल सोलंकी उपस्थित रहे। 25 लोगों के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। उसमें प्रमुख रूप से करुणा शितोले, पूजा चौहान, नेहा चित्तौड़ा, मोना शिंदे, छवि कदम, हर्षित पांचाल, रोशनी बगड़िया, टीना मालवीय ने आदि उपस्थित थे।

गौरव जाटव बने उपाध्यक्ष

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय, फार्मेसी संस्थान के अंतिम वर्ष के मेधावी छात्र गौरव जाटव को एनएसयूआई विक्रम विश्वविद्यालय परिक्षेत्र का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति एनएसयूआई विक्रम विश्व विद्यालय के अध्यक्ष तरुण परिहार द्वारा की गईहै, जो एनएसयूआई जिलाध्यक्ष हिमांशु शर्मा की अनुशंसा पर आधारित है। गौरव जाटव की इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पर नियुक्ति से उज्जैन के फार्मेसी क्षेत्र में एक नए युवा नेतृत्व का उदय होता हुआ दिखाई दे रहा है। छात्र हितों के प्रति समर्पण, संगठनात्मक सक्रियता और नेतृत्व क्षमता के चलते गौरव को यह दायित्व सौंपा गया है। एनएसयूआई परिवार को विश्वास है कि गौरव अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे और छात्रों की समस्याओं के समाधान एवं हित संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

आज राष्ट्रपति करेंगी महापौर को सम्मानित

उज्जैन। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में उज्जैन शहर को 3 से 10 लाख की श्रेणी में सुपर स्वच्छता लीग का प्रथम स्थान प्राप्त किया गया है। आज गुरुवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में महामहिम राष्ट्रपति शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष कलावती यादव एवं निगम आयुक्त आशीष पाठक को सम्मानित करेंगी। उज्जैन को देश में अपनी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने पर सभी सफाई मित्रों को एवं इसमें कार्यरत सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों को महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष कलावती यादव एवं आयुक्त आशीष पाठक ने बधाई दी है। साथ ही नगर के समस्त नागरिकों को अपनी विशिष्ट सहभागिता से स्वच्छता सर्वेक्षण में इस उपलब्धि को दिलाए जाने पर आभार व्यक्त किया गया है।

आज चलेगा धन्यवाद मप्र अभियान

उज्जैन। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के स्वच्छता सम्मान आज राष्ट्रपति द्वारा वितरित किए जा रहे हैं। हर वर्ष की तरह मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों ने इस वर्ष भी अपना बेहतर प्रदर्शन किया है। गुरुवार को दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदेश के आठ नगरीय निकायों जिसमें इंदौर, उज्जैन, बुधनी, भोपाल, देवास, शाहगंज, जबलपुर और ग्वालियर को विभिन्न श्रेणियां में सम्मान प्राप्त होगा। इसके अलावा हमारे कई ऐसे निकाय भी हैं जिन्होंने अपना शानदार प्रदर्शन किया और शहरों में स्वच्छता सेवाओं को बेहतर किया यह सभी सम्मान और बधाई के हकदार है। इस स्वच्छता यात्रा में हमारे शहरों के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सफाई मित्रों का बड़ा योगदान है उनके निरंतर सहयोग से प्रदेश की स्वच्छता में जमीनी बदलाव संभव हुआ है। सभी सहयोगियों को आभार ज्ञापित करने के उद्देश्य से 17 जुलाई से 30 जुलाई तक प्रदेश में धन्यवाद मध्य प्रदेश अभियान संचालित किया जाएगा। जिसमें निम्न अनुसार गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

दिव्यांगों के लिए बैसाखी बना अमृत मिशन, बाधा रहित बनेंगे नए भवन

स्मार्ट सिटी,टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, मनोविकास केंद्र की सहभागिता, विरासतों के शहर उज्जैन में समावेशिता का मूल्यांकन हुआ

उज्जैन। अब तक आम लोगों को यही जानकारी रही कि अमृत मिशन के अंतर्गत सीवरेज प्रोजेक्ट का कार्य टाटा कंपनी द्वारा किया जा रहा, ऐसे में भोपाल से उज्जैन जब अमृत मिशन की टीम एक नए अभियान को लेकर पहुंची तो इसे एक नवाचार के तौर पर सराहा गया। रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन पर दिव्यांगों के लिए किस प्रकार के होटल रेस्टोरेंट भवन बनाए गए इस पर भी अध्ययन किया गया, रेम्प, ट्रायसिकल, बैसाखी भी होना यहां जरूरी है।

नवभारत से चर्चा में अमृत मिशन की कोऑर्डिनेटर काकोली मैडम ने बताया कि दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन होटल क्षिप्रा में किया गया, जिसमें दिव्यांगों के लिए जो परियोजना केंद्र सरकार के माध्यम से अमृत मिशन के अंतर्गत प्रारंभ की गई है। इसका जायजा लिया गया और क्या बेहतर किया जा सकता है इसको लेकर धरातल पर जानकारी भी जुटाई गई। सार्वजनिक स्थानों पर अब जहां भी नए भवनो का निर्माण किया जाएगा वहां पर पुख्ता किया जाएगा की दिव्यांगों के लिए वहां सुविधाएं उपलब्ध रहे। उज्जैन में विरासत शहर उज्जैन में समावेशिता का मूल्यांकन विषय पर दो दिवसीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समावेशी शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध विभिन्न पेशेवरों और हितधारकों को एक मंच पर लाया गया, खास तौर पर दिव्यांगों को लेकर इस पर मंथन किया गया। मनो विकास केंद्र के बच्चों को भी कार्यक्रम में लाया गया, ताकि उनके भी अनुभवों को समझा जा सके।

इस कार्यक्रम में नगर तथा ग्राम निवेश नियोजन, उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड, उज्जैन नगर निगम, मनोविकास स्कूल उज्जैन के शिक्षक और दिव्यांग छात्र, अर्बन मास ट्रांजिट कंपनी के पेशेवर तथा वास्तुकला और योजना संस्थानों के संकाय सदस्य और छात्र उत्साहपूर्वक शामिल हुए। भोपाल स्मार्ट सिटी से सुचित सिंह, उज्जैन टीएनसी से शिवेंद्र शर्मा, अंशुल गुप्ता, अजय राजोरिया शामिल हुए। इस कार्यकारी विकास कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शहरी विकास से जुड़े विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और दिव्यांग समुदाय के सदस्यों को एक साथ लाकर यह खोज करना है कि भू-स्थानिक उपकरण और डेटा-आधारित योजना विरासत शहरों में सार्वभौमिक रूप से सुलभ गतिशीलता और समावेशी अवसंरचना को कैसे सक्षम बना सकते हैं।

मुख्यमंत्री के गृह नगर उज्जैन में नवाचार

दरअसल भोपाल से केंद्र सरकार के निर्देश पर एक टीम उज्जैन पहुंची और यहां विरासत शहर उज्जैन में समावेशिता मूल्यांकन शीर्षक से एक आयोजन किया गया। यह दिव्यांगों के संबंध में एक विकास कार्यक्रम रहा, जो एमपीटी शिप्रा रेजीडेंसी में किया गया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अलग-अलग प्रकल्पों में नवाचार की अवधारणा पर काम कर रहे हैं। जिससे अधिक से अधिक लाभ अंतिम पंक्ति के लोगों तक पहुंचे यही कारण रहा कि सीएम सिटी में दिव्यांगों के लिए भी नए अवसर लाए जा रहे है। खासकर सरकारी और निजी भवनो के निर्माण में दिव्यांगजनों की आवाजाही के लिए व्यवस्था की जाए।

कितना रहने लायक उज्जैन

अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत यह आयोजन किया गया था। यह कार्यक्रम उज्जैन में समावेशी गतिशीलता के मूल्यांकन के लिए भू-स्थानिक दृष्टिकोण नामक विशेष परियोजना का हिस्सा है, जिसका संचालन शहरी योजना क्षमता निर्माण केंद्र योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल ने किया है। आयोजन की अवधारणा है कि उज्जैन दिव्यांगों से लेकर बाकी लोगों के लिए कितना रहने लायक है और इसका अध्ययन करके उन्हें दूर करेंगे। कार्यक्रम में तकनीकी सत्र, ऑडिट से सीख, उपकरणों के साथ अनुकरण अभ्यास, और डिजाइन प्रथाओं को उज्जैन के सार्वजनिक स्थलों और संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए।

चिंतामण जवासिया में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव केंद्र पुन: प्रारंभ

कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने समायवधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली

उज्जैन। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा बुधवार को प्रशासनिक संकुल भवन के कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में जिले में खरीफ मौसम के अंतर्गत खाद की उपलब्धता की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि विगत 14 जुलाई तक जिले में यूरिया 27,725 मे. टन, डीएपी 9463 में. टन और एनपीके 14472 में. टन उपलब्ध है। कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि समिति वार खाद के स्टॉक की प्रतिदिन मॉनीटरिंग की जाए। समस्त एसडीएम इस ओर विशेष ध्यान दें। खाद के भंडारण का राजस्व और अन्य संबंधित अधिकारियों के द्वारा निरीक्षण किया जाए। खाद के नमुने लिए जाकर उसकी गुणवत्ता की जांच समय समय पर की जाए। उपसंचालक कृषि, एसडीएम और तहसीलदार किसानों के साथ समन्वय स्थापीत कर सुनिश्चित करे कि डीएपी और यूरिया का विक्रय निर्धारीत मूल्यों पर हो।

बैठक में एक बगीया मां के नाम पौधारोपण अभियान की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि कार्यक्रम के अंतर्गत 716 हितग्राही चिन्हांकित कर पौधारोपण किया गया है। कलेक्टर सिंह ने इसमें स्व सहायता समूह का भी चिन्हांकन किए जाने के निर्देश दिए। पौधारोपण अभियान के अंतर्गत क्षिप्रा नदी के किनारे स्थित शासकीय भूमि पर फलदार पौधे-अमरूद , संतरा, आम का रोपण किए जाने के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा के दौरान नगरीय निकायों को शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर द्वारा इसकी तहसीलवार समीक्षा की गई। नागदा तहसील के अंतर्गत सभी शिकायतों को 24 घंटे के अंदर निराकृत करने के निर्देश दिए गए। उर्जा विभाग के अंतर्गत लंबित शिकायतों पर कलेक्टर सिंह ने नाराजगी व्यक्त करते हुए 24 घंटे के अंदर 100 शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा की सीएम हेल्पलाईन में सभी विभाग अच्छी प्रगती अगले 2 कार्य दिवस में लाए। सीएम डेशबोर्ड के अंतर्गत योजनाओं पर विशेष ध्यान दें।

बैठक में शिक्षा विभाग के अंतर्गत कलेक्टर द्वारा विद्यार्थियों के इनरॉलमेंट की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर सिंह ने 11वीं कक्षा में नामांकन की स्थिति की समीक्षा समस्त एसडीएम के द्वारा करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यार्थियों को पुस्तकें समय पर प्राप्त हुई है या नहीं इसकी भी समीक्षा करने के निर्देश संबंधित एसडीएम और जनपद सीईओ को दिए। आयुष्मान योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक के व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनवाए जाने की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि अभी तक कुल 70, 437 कार्ड बनाए जा चुके हैं। कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि समस्त एसडीएम ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के लिए बैठक आयोजित करे तथा घर-घर जाकर अभियान का संचालन करवाए। बैठक में जानकारी दी गई कि चिंतामण जवासिया में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव केंद्र पुन: प्रारंभ कर दिया गया है। बैठक में सीईओ जिला पंचायत जयती सिंह एवं समस्त विभागों के अधिकारी गण उपस्थित थे।

उज्जैन में जीएम दौरे पर रेलवे डीआरएम हुए बेहोश, अवंती अस्पताल ले गए

उज्जैन। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के डीआरएम अश्विनी कुमार की बुधवार को उज्जैन में अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह सिंहस्थ से जुड़ी रेलवे की तैयारी का प्रजेंटेशन लेने आए जीएम विवेक कुमार गुप्ता के साथ उज्जैन रेलवे स्टेशन के वीआईपी रूम में प्रजेंटेशन देख रहे थे।

इसी दौरान करीब 11.30 बजे उन्हें चक्कर आया और वे कुछ क्षणों के लिए अचेत हो गए। होश आया तो कहने लगे-मैं कहा हूं। उन्हें तुरंत अवंती अस्पताल ले जाया गया। जीएम गुप्ता बुधवार को मुंबई से सुबह 7.30 बजे अवंतिका एक्सप्रेस में लगे स्पेशल कोच से उज्जैन पहुंचे थे। यहां आकर उन्होंने सबसे पहले श्री महाकालेश्वर के दर्शन किए। यहां उन्होंने स्टेशन के एंट्री-एक्जिट सहित नए प्लेटफॉर्म नंबर 7 सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जीएम गुप्ता ने नए प्लेटफॉर्म नंबर 7 पर यात्री सुविधाएं देखी, इसके बाद प्लेटफार्म नंबर 6, 8 व 1 का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के वक्त साथ चल रहे रतलाम रेल मंडल के डीआरएम अश्विनी कुमार व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से सिंहस्थ के लिए उज्जैन स्टेशन पर जुटाई जा रही यात्री सुविधाओं के बारे में बारीकी से जानकारी ली। दोपहर बाद जीएम गुप्ता ने नईखेड़ी, पिंगलेश्वर और विक्रमनगर रेलवे स्टेशन का दौरा भी प्रस्तावित था। इन स्टेशनों को सिंहस्थ के लिए विकसित किया जा रहा है। इसके बाद शाम को वे रेलवे की कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी, जेडआरयूसीसी व डीआरयूसीसी कमेटी के सदस्यों से चर्चा करने के बाद शाम 6.55 बजे अवंतिका एक्सप्रेस मुंबई के लिये रवाना हुए।

रेलवे स्टेशन के कांफ्रेंस हॉल में सांसद अनिल फिरोजिया ने जीएम गुप्ता से करीब आधे घंटे चर्चा की। इस दौरान उन्होंने सिंहस्थ के मद्देनजर उज्जैन व आसपास के स्टेशनों पर रेलवे सुविधाएं बढ़ाने की मांग रखी हैं। सांसद ने उज्जैन आने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा होने के कारण यहां यात्री सुविधाएं देने को कहा। खासकर इंदौर-उज्जैन के बीच ट्रेन सुविधाएं बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

अभा अखाड़ा परिषद महामंत्री ने महाकाल में की सिंहस्थ की सफलता की प्रार्थना

उज्जैन। श्रावण माह में उज्जैन पहुंचे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री और श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के मुख्य संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरि जी महाराज ने भगवान महाकालेश्वर का गर्भ गृह में पूजन अभिषेक किया। साथ ही उन्होंने नन्दी हाल में बैठकर सिंहस्थ 2028 की सफलता के लिए मंत्रजाप किये। अखाड़ा परिषद महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरी महाराज उज्जैन आये। भगवान महाकाल के दर्शन के बाद उन्होंने नीलगंगा जूना अखाड़े पहुंच कर नीलकंठ महादेव में निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया और नील गंगा सरोवर का पूजन किया। अखाड़ा परिषद के प्रबंधक डॉ गोविन्द सोलंकी, डॉ. राहुल कटारिया ने उनका पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान हरिद्वार से आये दीपक राज शर्मा, चन्दन पांडे के साथ अरुण राज सिंह सहित अन्य भक्तजन मौजूद थे।

श्रावण मास में 3 दिन भस्मारती की ऑनलाइन बुकिंग बंद

उज्जैन। श्रावण में महाकाल की भस्मारती तीन रूप से श्रद्धालु देख सकते हैं। ऑनलाइन अनुमति सप्ताह में 3 दिन शनिवार, रविवार और सोमवार को छोड़कर ही दी जा रही है। ऑनलाइन अनुमति उपलब्ध नहीं है तो श्रद्धालु मंदिर समिति के काउंटर से ऑफलाइन तरीके से भी अनुमति प्राप्त कर सकते है।

इसके लिए प्रतिदिन सुबह 6 बजे काउंटर खुलता है जहां से फार्म वितरित किए जाते हैं। श्रद्धालु को फार्म भरकर वापस जमा कर उसी दिन शाम तक जगह की उपलब्धता के आधार पर अनुमति प्राप्त कर सकता है। यदि ऑफलाइन अनुमति भी नहीं मिलती है तो फिर श्रद्धालु चलित दर्शन कर भी भस्मारती के दर्शन कर सकता है। इसके लिए कोई अनुमति की जरूरत नहीं पड़ती है।

श्रावण मास के दौरान सिक्किम, ओडिशा, हिमाचल और राजस्थान के विधानसभा अध्यक्ष महाकाल दर्शन करने पहुंचे। सिक्किम के मिंगम नोरबू, ओडिशा की सुरमा पध्ये, हिमाचल प्रदेश के कुलदीप सिंह पठानिया और राजस्थान के विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी प्रतिनिधि मंडल ने तड़के 3 बजे मंदिर पहुंचकर भस्मारती देखी। समिति की ओर से सहायक प्रशासक शिवकांत पांडेय ने उनका स्वागत किया। वहीं महाकाल वन कार्तिकचौक स्थित स्वयं-भू प्राचीन दक्षिण मुखी श्री वीर हनुमान मंदिर पर आयोजित श्रावण महोत्सव में विश्व कल्याण, जनकल्याण एवं उत्तम जल वृष्टि की कामना से संगीत मंडली के साथ सवा लाख ओम नम: शिवाय का जाप किया गया। मंदिर के पुजारी पं. जस्सू गुरु महाराज, पुजारी नीलेश गुरु, पुजारी कृष्णा गुरु ने बताया श्री ओम नमःशिवाय जाप समिति एवं श्री हरि अध्यात्मिक सेवा संस्थान के हरिसिंह यादव के सहयोग से यह आयोजन हुआ। ज्ञानदास, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, भगवान शर्मा उपस्थित हुए।

पत्रकारवार्ता — करोड़ों रुपये की कृषि भूमि को भूखंड के सौदे की आड़ में हड़पने का एक सनसनीखेज मामला

डॉक्टर से करोड़ों की जमीन ठगी : दलाल व रजिस्ट्री ऑफिस कर्मियों पर आरोप

नवभारत न्यूज

उज्जैन। करोड़ों रुपये की कृषि भूमि को भूखंड के सौदे की आड़ में हड़पने का एक सनसनीखेज मामला उज्जैन जिले के महिदपुर से सामने आया है। वृद्धावस्था और बीमारी से जूझ रहे एक सेवानिवृत्त डॉक्टर ने अपने साथ धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए रजिस्ट्री ऑफिस के कर्मचारियों और दलालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने रोड से लगी कीमती कृषि भूमि का फर्जी विक्रयपत्र तैयार कर करोड़ों की संपत्ति हड़पने की साजिश रची।

महिदपुर के निवासी 69 वर्षीय डॉ. जगदीश चंद्र जायसवाल ने अपनी शिकायत में बताया कि उनके स्वामित्व वाली ग्राम ताजपुरा की रोड से लगी कृषि भूमि, जिसका बाजार मूल्य करीब 6 करोड़ रुपये है को भूखंड विक्रय के बहाने जालसाजी से हड़प लिया गया। डॉ. जायसवाल का आरोप है कि महिदपुर निवासी मनोज कुमार वर्मा जो खुद को सर्विस प्रोवाइडर बताता है, ने सौदे के लिए उन्हें ग्राम सोमचिडी के नारायण सिंह और ग्राम बीरामखेड़ी के राजपाल सिंह से मिलवाया। यह सौदा 20 लाख रुपये में तय हुआ था, और उन्हें बैंक ऑफ इंडिया का 20 लाख का चेक भी दिया गया।

शिकायत में कहा गया है कि रजिस्ट्री के समय डॉ. जायसवाल के पुत्र नयन जायसवाल को गेट पर ही रोक दिया गया, और उन्हें अकेले केबिन में बुलाया गया। वहां आरोपियों ने उनकी आंखों पर दो बार आइरिस स्कैन किया और कहा कि स्कैन फेल हो गया है। डॉ. जायसवाल ने बताया कि उन्हें वृद्धावस्था के चलते कमजोर स्वास्थ्य के कारण प्रक्रिया की बारीकियों को समझने का मौका नहीं मिला।

फर्जी दस्तावेज, गलत ईमेल से रची साजिश

डॉ. जायसवाल के अनुसार, उन्होंने महिदपुर तहसील के पास अनिमेष फोटोकॉपी एवं ऑनलाइन सेंटर पर जाकर भूखंड का विक्रयपत्र संपादित किया। परंतु, आरोपियों ने इसी प्रक्रिया के दौरान उनके मोबाइल नंबर और ईमेल की जगह फर्जी जानकारी दर्ज कर दी। दलाल और रजिस्ट्रार ऑफिस के कर्मचारी बाबू कटलाना की मिलीभगत से ग्राम ताजपुरा की कीमती कृषि भूमि (सर्वे नंबर 94/3 रकबा 0 .3910 और सर्वे नंबर 95/1 रकबा 0 .8390 कुल रकबा 1 .23 हेक्टेयर) का फर्जी विक्रयपत्र तैयार किया गया।

पड़ोसियों से हुआ खुलासा

फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ जब ग्राम ताजपुरा के पड़ोसी किसानों ने नामांतरण की सूचना दी। डॉ. जायसवाल के पुत्र डॉ. स्पर्श जायसवाल ने पटवारी से संपर्क कर दस्तावेजों की जांच की, जिससे पता चला कि उनकी कृषि भूमि का विक्रयपत्र फर्जी तरीके से तैयार किया गया है। डॉ. जायसवाल ने जिला प्रशासन से दोनों संपत्तियों की रजिस्ट्री रद्द करने और नामांतरण पर आपत्ति दर्ज करने की मांग की है। साथ ही, उन्होंने आरोपी दलाल, खरीदार और रजिस्ट्रार ऑफिस कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।